दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 25 दिसंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 88

ओमिक्रॉन ने फीका किया क्रिसमस का रंग, मध्यप्रदेश में नाइट कर्फ्यू, महाराष्ट्र में आज जारी होगी गाइडलाइंस

नई दिल्ली (आरएनएस)। आज दुनिया में क्रिसमस मनाने की तैयारी चल रही है। हालांक कोरोना के नए वैरिएंट ने इसका रंग फीका कर दिया है। धीरे-धीरे ही सही, मगर पाबंदियों का दौर शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश में नाइट कर्फ्यू का ऐलान कर दिया है। वहीं, बढ़ते मामलों के बीच देश के आन्य राज्यों में भी पाबंदियों का दौर फिर से शुरू होने वाला है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों के साथ बैठक में कहा कि यदि कहीं संक्रमण दर 10 फीसदी से ज्यादा या ऑक्सीजन बेड पर भर्ती होने का प्रतिशत 40 फीसदी से अधिक है तो स्थानीय प्रशासन वहां तत्काल रोकथाम के उपाय लागू करे। ऐसे मामलों में रात्रि कर्फ्यू, भीड़भाड़ भरे आयोजनों पर रोक आदि शामिल है।

भूषण ने राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रमुखों के साथ ओमिक्रॉन से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्यों से कहा कि वह कोरोना को लेकर पहले से लागू उपायों को जारी रखें तथा नए वेरिएंट के खतरे के मद्देनजर अपनी तैयारियों को तेज करें। राज्यों से कहा गया है कि ओमिक्रॉन के मामलों के दोगुने होने और नए बन रहे क्लस्टरों पर भी नजर रखें।

मध्य प्रदेश में लगा नाइट कर्फ्यू- देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में रात्रि कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की भी अपील की है। मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक, अब रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक लोगों की आवाजाही पर रोक रहेगी।

महराष्ट्र में भी जारी होगी गाइडलाइन्स- कोरोना वायरस के बढ़ते मामले और ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए कई कई राज्यों में पाबंदियां लगनी शुरू हो गई है।

महाराष्ट्र सरकार आज क्रिसमस और नए साल के दौरान शादी समारोहों, होटलों और रेस्टोरेंट में भीड़ से बचने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगी। राज्य में कोरोना वायरस के एक बार फिर से अपना असली रूप दिखाने लगा है। राज्य में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1179 नए मामले सामने आए, जिनमें से 23 मामले ओमिक्रॉन के हैं।

बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेने की जरूरत- भूषण ने कहा कि यदि कहीं कोरोना नमूनों की जांच में संक्रमण दर दस फीसदी से ज्यादा होती है या कहीं ऑक्सीजन बेड 40 फीसदी भर जाते हैं तो इसे गंभीरता से लें तथा तुरंत ही बीमारी को स्थानीय स्तर पर रोकने के उपाय करें। हालांकि, उन्होंने राज्यों से कहा कि जनसंख्या घनत्व, बीमारी के प्रसार की दर आदि को देखते हुए उपरोक्त स्थिति उत्पन्न होने से पूर्व भी वह रोकथाम के उपाय स्थानीय स्तर पर लागू कर सकते हैं। जिसमें भीड़भाड़ वाले आयोजनों पर रोक, रात का कर्फ्यू आदि उपाय शामिल हैं।

क्लस्टर मिलने पर कंटेनमेंट जोन घोषित हो- भूषण ने कहा कि रोकथाम के उपरोक्त उपाय कम से कम 14 दिनों के लिए किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी स्थान पर कोरोना संक्रमण का क्लस्टर पाया जाता है जो तत्काल कंटेनमेंट जोन और बफर जोन घोषित किये जाए। मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत कंटेनमेंट जोन में कड़े उपाय सुनिश्चित करें। क्लस्टर में पाए जाने वाले सभी पॉजिटिव नमूनों को जीनोम सिचेंसिंग के लिए भेजें।

विदेश से छत्तीसगढ़ लौटे 2 लोग, कोरोना संक्रमण की चपेट में आए

» ओमीक्रॉन की पुष्टि नहीं

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा बना हुआ है। विदेश से आए दो और यात्रियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आया है। जिसके बाद अब दोनों मरीजों के सैंपल लिए गए हैं। नए वेरिएंट की जांच के लिए जीनोम सिचेंसिंग लिया गया है। जानकारी के अनुसार जिन दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, दोनों मरीज अमेरिका और दुबई से यात्रा कर छत्तीसगढ़ लौटे हैं।

गौरतलब हो कि प्रदेश में विदेशों से यात्रा कर लौटे 268 यात्रियों का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। जिसके चलते ओमिक्रॉन का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जितने भी लोग विदेश से यात्रा कर लौटे हैं उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उनमें नए वेरिएंट की पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार पूरे प्रदेश में अब तक विदेश से यात्रा कर 2453 से अधिक यात्री लौटे हैं इनमें रायपुर के 159 समेत प्रदेश के 268 यात्रियों की कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। फिलहाल गुरुवार को दो यात्रियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद दोनों को आइसोलेट किया गया है। आने वाले 7 दिनों तक विशेष निगरानी में रखा जाएगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

पति ने की पत्नी की हत्या, फिर खुद भी गोली मारकर की खुदकुशी

आरा (आरएनएस)। बिहार के भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र में बीती देर रात एक व्यक्ति ने पहले पत्नी की गोली मारकर हत्या कर लेने के बाद खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। फिलहाल इस मामले के कारणों की सही जानकारी नहीं मिल सकी है। प्रथम द्दष्टया घटना का कारण पति-पत्नी में विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बड़हरा थाना क्षेत्र के मणीछपरा गांव निवासी विमलेश यादव ने बीती रात अपने ही घर के एक कमरे में बंद होकर पहले अपनी पत्नी किरण देवी की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी गोली मार ली, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृत दम्पत्ति की एक 6 साल की बेटी भी है जो घटना के बाद से ही बेसुध है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। बड़हरा के थाना प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि घटना में प्रयुक्त हथियार को जब्त कर लिया गया हैं। दोनों शवों को पुलिस अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दी है। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस मामले के कारणों की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन प्रथम द्दष्टया पति और पत्नी में विवाद का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे मामले में प्रत्येक कोणों से जांच कर रही है। इधर, परिजनों के मुताबिक दोनों का विवाह वर्ष 2011 में हुई थी और एक छह साल की बेटी भी है। परिजनों की माने तो दोनों के बीच पिछले कई दिनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था, जिसको लेकर मृतका किरण देवी के पिता ने आकर अपने दामाद विमलेश यादव और बेटी में सुलह भी कराई थी।

नैनीताल में टैक्सी हड़ताल से पर्यटकों की हुई फजीहत

नैनीताल (आरएनएस)। उत्तराखण्ड के नैनीताल में टैक्सी चालकों के खिलाफ पुलिस की ओर से की जा रही चालानी कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को चालक-संचालकों ने प्रदर्शन किया। यही नहीं, नैनीताल में टैक्सी को लेकर पूर्ण हड़ताल की गई। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटकों को भी फजीहत का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद प्रशासन से वार्ता के बाद हड़ताल वापस ले ली गई। टूर एंड टैक्सी ट्रैवल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज जोशी ने कहा कि 2017 में हाईकोर्ट ने नैनीताल शहर के भीतर विशेष नंबर के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया था। कोर्ट ने निर्देश दिए थे कि 2017 के बाद खरीदे गए वाहनों के लिए यह नियम लागू रहेगा, लेकिन आरटीओ कार्यालय की ओर से 2017 के पूर्व के वाहनों को भी इस श्रेणी में डाल दिया गया। इस दौरान बीते कई दिनों से नैनीताल में टैक्सी चालकों व संचालकों के खिलाफ गलत चालानी कार्रवाई की जा रही है। इससे सामान्य चालकों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। इस दौरान नैनीताल से हल्द्वानी, भवाली, कालाढूंगी मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। इससे लोगों के साथ ही पर्यटकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके बाद टैक्सी संचालकों का एक शिष्टमंडल संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतीक जैन से मिला। जिला प्रशासन की ओर से लिखित में दिए गए आश्वासन के बाद टैक्सी संचालन सुचारू किया गया। प्रदर्शन करने वालों में दीपक मटियानी, पंकज तिवारी, दीवान बिष्ट, ललित जोशी, गोविंद सिंह, महफूज सिद्दीकी, शाकिर खान, राकेश कुमार, इकबाल आदि शामिल रहे।

सीआरपीएफ में चलेंगी संस्कार शालाएं

नई दिल्ली (आरएनएस)। आतंकवाद और नक्सलवाद जैसे खतरों से निपटने वाले भारत के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में जल्द ही संस्कार शालाएं चलाई जाएंगी। इन संस्कार शालाओं में सैनिकों को नैतिकता सिखाई जाएगी जो सीनियर-जूनियर बॉन्डिंग बढ़ाने और सुरक्षाबलों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को रोकने में भी मदद करेंगी। सुरक्षाबलों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए सीआरपीएफ में लागू किए जा रहे विचारों में से एक संस्कार शाला भी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, संस्कारशालाएं स्थापित करने के लिए एक सूचना सीआरपीएएफ के कल्याण विभाग द्वारा सभी इकाइयों को भेजी गई है।

दवा कंपनी में ब्वायलर फटने से 4 की मौत, दर्जनभर लोग हुए बुरी तरह जख्मी

वडोदरा (आरएनएस)। गुजरात में वडोदरा के मकरपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आज एक दवा निर्माता कंपनी के प्लांट में ब्वायलर फट जाने से एक महिला और बच्ची समेत कम से कम चार कामगारों की मौत हो गई और दर्जनभर से अधिक अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक 65 साल का बुजुर्ग, एक नाबालिग, 30 साल की एक महिला और 4 साल की बच्ची शामिल है। पुलिस ने बताया कि मकरपुरा जीआइडीसी स्थित दवा कंपनी केंटन लेबोरेटरिज के ब्वायलर में आज सुबह अचानक विस्फोट के बाद आग लग गई। विस्फोट इतना प्रचंड था कि इसके असर से आसपास करीब आधा से एक किलोमीटर क्षेत्र में इमारतों के कांच टूट गए।

फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग को क़ाबू में किया। ब्वायलर के निकट ही कामगारों ने रहने के लिए घर बना लिया था। इस हादसे में मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई गई है। घायलों और मृतकों में बच्चे भी शामिल बताए गए हैं।

मकरपुरा पुलिस थाने के इंस्पेक्टर साजिद बलोच ने कहा, इलाके में 9.30 पर एक जोरदार धमाका हुआ। 15 लोग घायल थे, जिन्हें पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। इनमें से 4 को मृत लाया घोषित किया गया, जबकि अन्य का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि घटना में मारे गए और घायलों में यहां काम करने वाले कर्मचारी और उस समय वहां से गुजर रहे लोग शामिल हैं।

29 दिसंबर को मंत्रिपरिषद की बैठक करेंगे पीएम मोदी, लिए जा सकते हैं कई बड़े फैसले

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 दिसंबर को मंत्रिपरिषद की बैठक करेंगे। ये बैठक किस मुद्दे पर होगी इसको लेकर अभी पीएमओ की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। बैठक बुधवार को शाम 4 बजे होगी जिसमें लगभग सभी मंत्रियों के मौजूद रहने की संभावना है। ऐसा माना जा रहा है कि बैठक में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा हो सकती है। इस बीच, पीएम मोदी शनिवार, 25 दिसंबर

को गुजरात के कच्छ में गुरुद्वारा लखपत साहिब में गुरु नानक देव जी के गुरुपर्व समारोह को वर्चुअली संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, पीएम मोदी क्रिसमस के दिन दोपहर करीब 12.30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुरुपर्व समारोह को संबोधित करेंगे। हर साल 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक गुजरात की सिख संगत गुरुद्वारा लखपत साहिब में गुरु नानक देव जी का गुरुपर्व मनाती है। अपनी यात्रा के दौरान गुरु नानक देव जी लखपत में रुके थे। गुरुद्वारा लखपत साहिब में उनके अवशेष हैं जिनमें लकड़ी के जूते और पालकी के साथ-साथ गुरुमुखी की पांडुलिपियां और चिह्नों की लिपियां शामिल हैं।

कोविड की समीक्षा बैठक कर चुके हैं पीएम मोदी

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें कोविड-19 की स्थिति और ओमिक्रॉन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में कोविड-19 की स्थिति और ओमिक्रॉन, चिंताजनक नए वेरिएंट (वीओसी), कोविड-19 की रोकथाम और प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया उपायों, दवाओं की उपलब्धता सहित स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत किए जाने सहित ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसेन्ट्रेटर्स, वेंटिलेटर, पीएसए संयंत्र, आईसीयू/ऑक्सीजन समर्थित बेड, मानव संसाधन, आईटी हस्तक्षेप और टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा की गई।

रायपुर हवाई अड्डे की एटीएस टॉवर से अंतरराष्ट्रीय विमानों की भी हो सकेगी निगरानी : रुडी

नई दिल्ली / रायपुर (आरएनएस)। ट्रैफिक कंट्रोल एटीसी टावर अब रायपुर हवाई अड्डे पर विमानों की निगरानी के लिए कार्य करेगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य राजीव प्रताप रुडी ने कहा कि इस टॉवर के जरिए अब दोगुनी ऊंचाई से हवाई उड़ानों की मॉनिटरिंग होगी। टॉवर में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की मॉनिटरिंग के मद्देनजर कई हाइटेक मशीनें स्थापित की गई है, जिसके जरिए एटीसी टीम आधुनिक तरीके से राडार पर विमानों की ताजा स्थिति का सटीक अध्ययन कर पाएंगे। विदित हो कि बिहार के सारण लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सांसद, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव प्रताप रुडी की राजनीति के साथ-साथ विमानन क्षेत्र में विशेष रुची है। यही कारण है कि जब भी मौका मिलता है, वो विमान उड़ाने की अपनी ख्वाहिश अवश्य पूरी करते है। वे न केवल कॉमर्सियल पायलट के प्रमाणपत्र धारक है बल्कि लिमका बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दुनिया के एक मात्र सांसद के रूप में पायलट होने का रिकार्ड भी दर्ज है। रुडी व्यावसायिक विमानों के उड़ान में कैप्टन की भूमिका अदा करते है। प्रताप पुरी ने कहा कि बतौर व्यावसायिक पायलट होते हुए अपने रायपुर की उड़ान के दौरान रुडी ने एटीसी की समस्या को व्यवहारिक रूप से महसूस किया तो उन्हें लगा कि यहाँ आधुनिक एटीसी टावर की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में 7 दिसम्बर को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक के दौरान रूडी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री का ध्यानाकृष्ट कराया कि नये एटीसी टॉवर का भवन बने हुए दो वर्ष हो गये पर एटीसी परिचालन में अभी तक नहीं आया है।

उन्होंने मंत्री से प्रगति के बाबत प्रश्न किया और बताया कि रायपुर में नए तकनीकी ब्लॉक-सह-कंट्रोल टावर का निर्माण 20 अप्रैल 2017 को शुरू करते हुए उसका सिविल कार्य 06 जुलाई 2020 को ही पूरा कर लिया गया था परन्तु अभी तक इस टावर को परिचालन में नहीं लाया गया है। उन्होंने इसे शीघ्र परिचालन में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके जवाब में मंत्री ने पत्र के माध्यम से बताया कि वर्तमान में सभी संचार सुविधाएं स्थापित की जा चुकी हैं और 1 जनवरी 2022 को नए नियंत्रण टावर से समानांतर संचालन की योजना है। रुडी ने कहा कि कोविड -19 महामारी और लॉकडाउन के कारण विभिन्न संचार सुविधाओं जैसे वीएचएफ ट्रांसमीटर, रिसीवर, आदि की खरीद, आपूर्ति और स्थापना में देरी हुई है परन्तु ये उपकरण अब टावर में स्थापित कर दिये गये है। अब जनवरी 2022 में इस नए एटीसी टॉवर के शुरू होने के बाद एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के रास्ते खुलेंगे, क्योंकि तब एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए आधुनिक राडार सिस्टम के साथ काम करने में भी सक्षम होगा और विमानन कंपनियां आकर्षित होंगी, वहीं नई उड़ानों को लेकर संभावनाएं बढेंगी।

चीफ जस्टिस एनवी रमना को बैल गाड़ी में बिठाकर घुमाया, अपने गांव पहुंचे तो किया गया अभिनंदन

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना आज आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिला स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे तो उनका जमकर स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने उन्हें सजी हुई बैलगाड़ी में बिठाया और पूरे गांव में घुमाया। इस दौरान चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने ग्रामीणों को संबोधित भी किया। उन्होंने स्वागत के लिए सभी को धन्यवाद करते हुए कहा कि देश प्रगति कर रहा है, लेकिन कई समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। उन्होंने इस दौरान सभी को समस्याओं से मुकाबला करने के लिए एकजुट होने की अपील की। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने कहा कि वह अपनी मातृभाषा तेलुगू और अपनी जन्मभूमि से बहुत प्यार करते हैं। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमना भावुक नजर आए। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि उनके पिता कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थक हुआ करते थे। इसलिए वह (न्यायमूर्ति रमना) स्वतंत्र पार्टी की विचारधरा को पसंद करते थे। उन्होंने कहा, मैंने सदा चाहा है कि सभी लोगों को जाति, नस्ल और धर्म से ऊपर उठ कर एक साथ रहना चाहिए। न्यायमूर्ति रमना राज्य की तीन दिनों की यात्रा पर हैं और इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में शरीक होंगे। चीफ जस्टिस एनवी रमना पहली बार पद पर पहुंचने के बाद अपने गांव पहुंचे थे।

उत्तराखंड चुनाव में कांग्रेस की कमान संभालेंगे हरीश रावत

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तराखंड में कांग्रेस हरीश रावत की अगुवाई में विधानसभा चुनाव लड़ेगा। शुक्रवार को उत्तराखंड कांग्रेस नेताओं के साथ राहुल गांधी की बैठक में यह फैसला लिया गया कि रावत की अगुवाई में चुनाव लड़ा जाएगा। पार्टी से नाराज चल रहे उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात के बाद कहा कि उनकी अगुवाई में चुनाव लड़ा जाएगा। अन्य नेता उनको सहयोग करेंगे। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद विधायक दल की बैठक में इसका फैसला लिया जाएगा।

गौरतलब है कि शुक्रवार को केंद्रीय

नेतृत्व ने उत्तराखंड की कमान संभाली। जिस तरीके से उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी के दो गुट सामने आ गए, उसपर पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद वे कहीं ना कहीं केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाने के प्रयास में सफल रहे।

राहुल गांधी के दिल्ली स्थित आवास पर शुक्रवार को दोपहर 12.00 बजे उत्तराखंड के नेताओं की एक अहम बैठक हुई। बैठक में हरीश रावत, उत्तराखंड अध्यक्ष गणेश गोंदियाल, राजयसभा सांसद प्रदीप टम्टा, प्रभारी देवेंद्र यादव शामिल हुए। बैठक करीब ढाई घंटे चली और यह निर्णय लिया गया कि कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष हरीश रावत के नेतृत्व में उत्तराखंड का आगामी विधानसभा का चुनाव लड़ा जायेगा।

सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी की बैठक में हरीश रावत को केंद्रीय नेतृत्व की ओर से हिदायत और आश्वासन दोनों मिले। हिदायत यह दी गई कि रावत पार्टी जूनियर नेताओं के साथ सामंजस्य बैठाकर और उन्हें साथ लेकर चलेंगे और आश्वासन यह कि उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा।

हालांकि, राहुल गांधी से मुलाकात के बाद हरीश रावत ने पत्रकारों से कहा, एक विशेषाधिकार हमेशा कांग्रेस अध्यक्ष के पास रहा है। दूसरा, अन्य कांग्रेस जन को एक सामूहिक विश्वास का विशेषाधिकार है, जिसमें चुनाव के बाद पार्टी विधायकों की बैठक में यह तय किया जाता है कि उसका नेता कौन होगा। पार्टी विधायक अपनी राय कांग्रेस अध्यक्ष को देते हैं और कांग्रेस अध्यक्ष इस पर अंतिम फैसला करता है। यह विशेषाधिकार कांग्रेस के लोगों को हृदय से प्यारा है, हम उत्तराखंड में भी उसी का पालन करेंगे। यह तय हुआ है कि मैं सीएलपी लीडर के तौर पर काम करूंगा, और सब लोग उस काम में सहयोग देंगे।

वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने कहा कि ऐसे लोग जिन्होंने पार्टी के अनुशासन के खिलाफ काम किया है, जैसे कुछ लोग 2007 में पार्टी के खिलाफ वीडियो वायरल करने का काम कर रहे थे, तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ ही चुनाव लड़े थे, दो शख्स ऐसे भी थे जिन्होंने हरीश रावत की सरकार हो या तिवारी की सरकार हो उसको गिराने में अहम भूमिका निभाई.. आज पार्टी ने ऐसे लोगों को महत्वपूर्ण पद दे दिया है। हमें इस बात की शिकायत है। मैंने पार्टी के फोरम पर भी इस मसले को उठाया है और चाहता हूं कि चुनाव में जाने से पहले पार्टी को अपना चेहरा घोषित कर देना चाहिए। इससे पार्टी को फायदा मिलेगा।

गौरतलब है कि उत्तराखंड में पूरा सियासी बवाल हरीश रावत के एक ट्वीट के बाद सामने आया जिसमें हरीश रावत ने लिखा, है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र में तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर करके खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है।